रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 27 दिसम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 317 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

पूर्व PM मनमोहन सिंह की पहली पुण्यतिथि, कांग्रेस ने ऐसे किया याद

कांग्रेस ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को उनकी पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी. इनका निधन 26 दिसंबर, 2024 को दिल्ली में हुआ था वो 92 साल की उम्र में स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे. उनका अंतिम संस्कार 28 दिसंबर को दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित निगमबोध घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया था कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक पोस्ट में कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व ने भारत की अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र को मजबूती मिली थी कांग्रेस ने कहा कि उनकी पुण्यतिथि पर हम ईमानदारी, विनम्रता और दूरदर्शिता वाले एक राजनेता को याद करते हैं. कांग्रेस

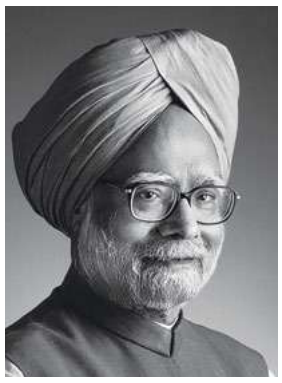

ने कहा कि आज उन प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि जिन्होंने निस्वार्थ भाव से और दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की सेवा की. कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी मनमोहन सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। डीके शिवकुमार ने कहा कि मनमोहन सिंह ने 2005 के सूचना का अधिकार अधिनियम के ज़रिए पारदर्शिता को बढ़ावा दिया.उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के ज़रिए काम की गरिमा को बनाए रखा. इसे अब विकसित भारत गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (VB-G RAM G) अधिनियम में बदल दिया गया है. पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। शिवकुमार ने कहा कि भारत को आर्थिक संकट से बाहर निकालने से लेकर एक दशक तक प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व करने तक, उनका प्रभाव गहरा था. डीके शिवकुमार ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने RTI अधिनियम के ज़रिए पारदर्शिता को बढ़ावा दिया और मनरेगा के जरिए काम की गरिमा को बनाए रखा।

ट्रंप ने एपस्टीन मामले पर किया लंबा चौड़ा पोस्ट, पूरे विवाद को बताया वामपंथी साजिश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिसमस के दिन सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में फिर से बदनाम यौन तस्कर जेफ्री एपस्टीन विवाद पर अपनी बात रखी। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, जेफ्री एपस्टीन से जब सभी लोग अपने संबंध तोड़ रहे थे, उससे बहुत पहले ही उन्होंने, एपस्टीन से नाता तोड़ लिया था। एक लंबी चौड़ी पोस्ट में ट्रंप ने राजनीतिक विरोधियों और मीडिया संस्थानों पर भी उन्हें बदनाम करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। ट्रंप का दावा- उन्हें बदनाम करने के लिए एपस्टीन मामले को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहाट्रंप ने लिखा, 'जेफ्री एपस्टीन से प्यार करने वाले कई घिनौने लोगों समेत सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं।' ट्रंप ने दावा किया कि एपस्टीन मामले को एक हथियार के रूप में उनके खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने इसे एक कट्टर वामपंथी साजिश करार दिया। ट्रंप ने कहा कि एपस्टीन मामले में अधिकतर डेमोक्रेट्स नेताओं के नामों का खुलासा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि एपस्टीन से जुड़े लोगों ने खुद को जांच तेज होने पर खुद को उससे अलग कर लिया था और वे अकेले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने ये चलन बनने से बहुत पहले ही एपस्टीन से नाता तोड़ लिया था। ट्रंप बोले- बेकसूर लोगों को बदनाम किया जा रहाट्रंप ने कुछ मीडिया संस्थानों पर आरोप लगाया और कहा कि रूस जांच से संबंधित खबरों को लेकर कुछ अखबारों की झूठी रिपोर्टिंग के लिए उन्हें माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने तर्क दिया कि एपस्टीन मामले में मौजूदा रिपोर्टिंग के पीछे भी यही मकसद है। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि एपस्टीन मामले में कई बेकसूर लोगों को बदनाम किया जा रहा है और उनका कसूर सिर्फ इतना था कि वे एपस्टीन की पार्टियों में शामिल हुए थे। गौरतलब है कि हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े मामले में कई फाइल्स जारी की हैं, जिनमें कई बड़ी हस्तियों की तस्वीरें और नाम हैं। यह मामला अमेरिका में बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

वीर बाल दिवस बहादुर साहिबजादों के बलिदान को याद करने का दिन है: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को कहा कि 'वीर बाल दिवस' श्री गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों के बलिदान को स्मरण करने का दिन है। प्रधानमंत्री ने श्री गुरु गोबिंद सिंह की जयंती के अवसर पर नौ जनवरी 2022 को घोषणा की थी कि उनके पुत्रों साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत की याद में 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया जाएगा, जिनका अद्वितीय बलिदान आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''वीर बाल दिवस श्रद्धा का दिन है, जो वीर साहिबज़ादों के बलिदान को स्मरण करने के लिए समर्पित है।हम माता गुजरी जी की अडिग आस्था और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की अमर शिक्षाओं को याद करते हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दिन साहस, दृढ़ संकल्प और धर्मनिष्ठा से जुड़ा हुआ है और साहिबजादों का जीवन तथा उनके आदर्श आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करते रहेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री यहां एक कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे।वीर बाल दिवस के अवसर पर भारत सरकार देशभर में सहभागितापूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है, जिनका उद्देश्य नागरिकों को साहिबजादों के असाधारण साहस और सर्वोच्च बलिदान से रूबरू कराना तथा भारत के इतिहास के इन युवा नायकों के अदम्य साहस, त्याग और वीरता का सम्मान करना तथा उन्हें स्मरण करना है।

कनाडा में भारतीय की हत्या, टोरंटो में 20 वर्षीय शिवांक गोलीबारी का शिकार, दूतावास ने जताया दुख

कनाडा के टोरंटो में हुई गोलीबारी में एक भारतीय छात्र शिवांक अवस्थी की मौत हो गई। टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने गुरुवार को टोरंटो विश्वविद्यालय के स्कारबोरो परिसर के पास हुई गोलीबारी में 20 वर्षीय भारतीय डॉक्टरेट छात्र शिवांक अवस्थी की हत्या पर दुख जताया। दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'टोरंटो विश्वविद्यालय के स्कारबोरो परिसर के पास हुई एक घातक गोलीबारी की घटना में युवा भारतीय डॉक्टरेट छात्र शिवांक अवस्थी की दुखद मृत्यु पर हम गहरा शोक व्यक्त करते हैं।' भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक बयान में कहा, 'इस मुश्किल वक्त में दूतावास शोक संतप्त परिवार के संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय में सभी जरूरी सहायता दे रहा है। गोली मारकर फरार हुए संदिगध हमलावरपुलिस ने बताया कि अवस्थी को 23 दिसंबर को हाईलैंड क्रीक ट्रेल और ओल्ड किंग्स्टन रोड इलाके में गोली मारी गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोली लगने से घायल हुए भारतीय छात्र को जमीन पर पड़ा हुआ पाया। शिवांक को वहीं पर ही मृत घोषित कर दिया गया। जांचकर्ताओं ने बताया कि पुलिस के पहुंचने से पहले ही संदिग्ध फरार हो गए थे। पुलिस की ओर से इलाके की तलाशी के दौरान परिसर को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। इस हत्या के साथ टोरंटो में इस साल की 41वीं हत्या दर्ज की गई है। इस हत्या ने टोरंटो स्कारबोरो विश्वविद्यालय के छात्रों में डर और गुस्सा भर दिया है। कैंपस में दिनदहाड़े मारी गई शिवांक को गोलीरेडिट पर एक पोस्ट में एक छात्र ने बताया कि शिवांक अवस्थी को कैंपस वैली के अंदर दिनदहाड़े गोली मार दी गई। यह इलाका छात्रों द्वारा खूब इस्तेमाल किया जाता है और विश्वविद्यालय की ओर से अक्सर इसका जिक्र किया जाता है। शिवांक अवस्थी की पहचान जीवन विज्ञान के तीसरे वर्ष के छात्र के रूप में हुई थी। हाल ही में एक और भारतीय नागरिक की टोरंटो में हत्या कर दी गई थी। 30 वर्षीय भारतीय मूल की महिला हिमांशी खुराना की हत्या के सिलसिले में पुलिस टोरंटो निवासी अब्दुल गफूरी की तलाश कर रही है।सीबीसी न्यूज़ के अनुसार पुलिस ने कहा कि यह मामला घरेलू हिंसा से जुड़ा नजर आता है। टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने X पर एक पोस्ट में कहा कि वह हिमांशी खुराना के परिवार की सहायता कर रहा है।

क्षत्रिय नायक युवा संगठन मध्यप्रदेश का जन आक्रोश

सह संपादक दीपक वाड़ेकर

दिल्ली में समाज के ही कुछ व्यक्तियों द्वारा क्षत्रिय नायक समाज को पिछड़ावर्ग से हटा कर ST आरक्षण दिलाने के नाम पर जंतर-मंतर का उल्लेख करते हुए धरना-प्रदर्शन किए जाने से सम्पूर्ण क्षत्रिय नायक समाज में भारी रोष व्याप्त है। क्षत्रिय नायक समाज किसी भी प्रकार का आरक्षण नहीं चाहता।

हमारा स्पष्ट मत है कि काबिलियत, परिश्रम और आत्मसम्मान के बल पर समाज का युवा हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकता है। हमारे पूर्वजों ने रणभूमि में युद्ध लड़कर इतिहास रचा है, वीरता, बलिदान और स्वाभिमान हमारी पहचान रहे हैं उस गौरवशाली इतिहास को हम किसी भी परिस्थिति में

नहीं भूल सकते और न ही उसे कमज़ोर पड़ने देंगे। अतः समाज के नाम पर बिना समाज की सहमति के इस प्रकार के कृत्य पूर्णतः अस्वीकार्य हैं। भविष्य में यदि किसी भी व्यक्ति या समूह द्वारा ऐसा प्रयास किया गया, तो क्षत्रिय नायक युवा संगठन कानूनी कार्रवाई करने के लिए बाध्य होगा।

सभी समाज जन मोजुद रहे सुभाष राठोड़, प्रदेश अध्यक्ष महेश जी सोंडिया,ट्रस्ट अध्यक्ष बंसी जी भाटी, रामचंद्र पंवार,सुशील भाटी प्रदेश सचिव जितेन्द्र जी पंवार, इंदोर जिला अध्यक्ष रोहन नायक इंदौर नगर अध्यक्ष संतोष जी, पप्पू जी प्रदेश अध्यक्ष ईश्वर जी पंवार राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी विनोद जी, उज्जैन जिला अध्यक्ष बबलु जी नायक उपाध्यक्ष,राधेश्याम जी मिडिया प्रभारी समस्त समाज जन समाज की अस्मिता, सम्मान और गौरव की रक्षा के लिए युवा संगठन सदैव तत्पर रहेगा।

सकारात्मकता व प्रसन्नता का गुणांक कई गुना बढ़ा देता है सहज ध्यान

सहजयोग ध्यान करने की एक अर्वाचीन पद्धति है। जो आज के तनावग्रस्त जीवन में बहुत कारागर साबित हो रही है। आपको ऐसा लगेगा की योगा, ध्यान आदि बुढापे में करने की चीजें हैं परंतु ऐसा नहीं है, आज बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी तनाव में रहते हैं, कुछ न कुछ समस्याओं से घिरे रहते हैं। ऐसा नहीं है कि सहजयोग सीखने के बाद और इस ध्यान मे पारंगत होने के बाद आपके

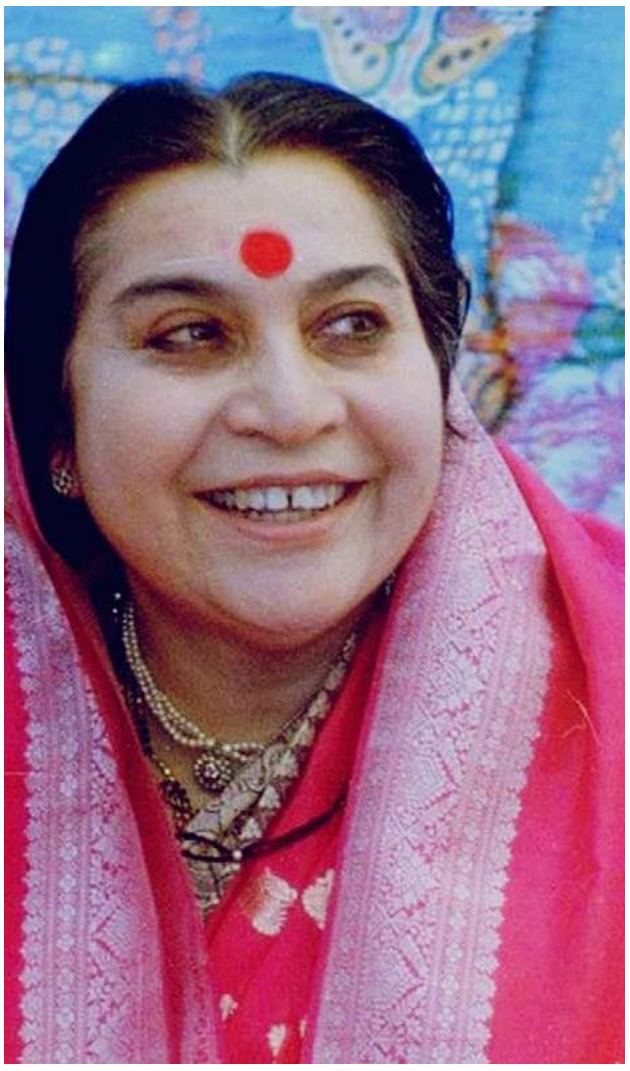

जीवन में समस्यायें नहीं आयेंगी। समर्थ रामदास महाराज कहते हैं (‘मना त्वाचिरे पूर्वसंचित केले तयासारखे भोगणे प्राप्त झाले’) जो कुछ भी शारिरिक या मानसिक भोग हैं वो आपके जीवन में रहेंगे परंतु आप अंदर से इतने शक्तिशाली बन जायेंगे कि उन सभी समास्याओं से प्रभावित न होते हुए आप आसानी से उनसे छूटकर आनंददायी जीवन व्यतीत करने लगेंगें। आपके जीवन में सकारात्मकता व प्रसन्नता का गुणांक कई गुना बढ़ जाएगा। सहजयोग ध्यान अत्यंत सहज है। प.पूज्य श्री माताजी कहते हैं कि जो साधक अपने आत्म साक्षात्कार को सच्चे हृदय से चाहेगा उसे तत्क्षण ये प्राप्त हो जाएगा।और इसे प्राप्त करने बाद धीरे-धीरे साधक इस ध्यान की सूक्ष्मताओं को समझकर अपना जीवन सकारात्मक तरीके से बदलने के लिये सदैव प्रयासरत रहता है कंठोपनिषद में वर्णित है कि यह मनुष्यरूपी शरीर ग्यारह द्वारोंवाला है और ये शरीर ही उस आत्म रूपी परमेश्वर की नगरी है। वह आनंदस्वरूप परमात्मा सर्वत्र समभाव से सदा परिपूर्ण रहते हुए भी अपनी राजधानी रूपी इस मनुष्य शरीर के हृदयप्रासाद में राजा की भांति विशेष रूप से विराजित रहते हैं। इस रहस्य को समझकर जो मनुष्य इसी जन्म में इस आत्मसाक्षात्कार को पाना चाहते हैं और जो साधक इस शाश्वत सत्य को जानता है वह शोक के कारण रूप संसार बन्धन से छूटकर जन्ममृत्यु के चक्र से सदा के लिये छूट जाता है। यही ब्रम्हसाक्षात्कार है। वर्तमान में मे इसे पाना सहज हो गया है, बस आपको अपने आत्मसाक्षात्कार की शुद्ध इच्छा कर हर दिन सुबह-शाम १० मिनट इस ध्यान में स्थित होना होता है और आपकी एकाकारिता परमात्मा से होने लगती है और जीवन में सभी प्रकार के समाधान प्राप्त हो जाते हैं। सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है। टोल फ्री नं – 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा

यूनुस ख़ान का पुतला दहन

बापट चौराहा पर माँ करणी सेना द्वारा बंगला देश और यूनुस ख़ान का पुतला दहन किया गया पुतला दहन का आयोजन गौरव सिंह राजवत संभागीय अध्यक्ष और बाला ठाकुर जिला अध्यक्ष माँ करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर धर्मेन्द्र सिंह गौतम के सानिध्य में किया गया इस अवसर पर ईश्वर सिंह राठौड़ राजकुमार भदौरिया शिशुपाल सिंह केदार सिंह गगन सिंह नितेश सिंह विवेक सिंह चौहान अंकुश सिंह चौहान जिला कार्यकारी अध्यक्ष सतीश चौहान मोहित राजावत आर्यन श्रीवास्तव, अभी भदोरिया, मयंक सिंह।

अवैध, उत्खनन एवं परिवहन पर हुई कार्यवाही

प्रदीप सिंह बघेल

कलेक्टर डॉ.केदार सिंह के निर्देश पर नायब तहसीलदार श्री शनि द्विवेदी द्वारा व्यौहारी में बिना टीपी के रेत के अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 4 हाइवा एवं 1 डम्पर जप्त किया गया एवं गिट्टी का अवैध परिवहन करने पर 2 हाइबा,बोल्डर का ट्रेक्टर तथा डस्ट का परिवहन करते हुए 26 दिसम्बर 2025 को वाहन जप्त कर नियमानुसार कार्यवाही की गई। जिन वाहनों को जप्त किया गया है उनमें MP 18 GA 4065, MP18H5145, WB39B9283, Hyba MP18 H 4918, MP17ZB9865, UP93AT9435,MP 17 HH4020, Mp18H4918 वाहन नंबर शामिल है।

नि:शुल्क रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन आज

इंदौर, पशुपालन एवं डेयरी विभाग तथा प्रांतीय राजपत्रित पशु चिकित्सक संघ द्वारा नि:शुल्क रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। संघ के डॉ. अमृतलाल शर्मा ने बताया कि यह शिविर 27 दिसम्बर शनिवार को पशु चिकित्सालय, राजमोहल्ला पर प्रातः 9 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित किया जायेगा। नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस शिविर का लाभ उठायें।

जोन 22 में अवैध निर्माणों पर सख्त कार्रवाई, गुलाब बाग कॉलोनी और तलावली चांदा में चला निगम का बुलडोजर

इंदौर। नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव के स्पष्ट निर्देशों के तहत जोन क्रमांक बाईस में अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए रिमूवल की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई तलवाली चांदा क्षेत्र और गुलाब बाग कॉलोनी में की गई, जहां लंबे समय से अवैध रूप से बने निर्माणों की शिकायतें सामने आ रही थीं। नगर निगम का उद्देश्य शहर में सुव्यवस्थित विकास सुनिश्चित करना और सार्वजनिक भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को समाप्त करना है। अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि आयुक्त श्री यादव के निर्देशानुसार जोन क्रमांक बाईस के वार्ड क्रमांक इकतीस के अंतर्गत गुलाब बाग कॉलोनी में करीब एक हजार वर्ग फीट क्षेत्रफल में बने भू-तल एवं प्रथम तल के अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई की गई। यह निर्माण बिना अनुमति के किया गया था, जिसे नियमानुसार हटाया गया। कार्रवाई के दौरान निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और अवैध निर्माण को हटाया। इसके साथ ही जोन क्रमांक बाईस के वार्ड क्रमांक पैंतीस के अंतर्गत तलवाली चांदा तालाब के पास अवैध रूप से बनाई गई दुकानों के खिलाफ भी रिमूवल विभाग द्वारा कार्रवाई की गई। इस दौरान संबंधित भवन मालिक द्वारा स्वयं अवैध निर्माण हटाने के लिए पांच दिन का समय मांगा गया। निगम ने नियमानुसार भवन मालिक को सीमित समय देते हुए स्पष्ट निर्देश जारी किए कि निर्धारित अवधि में अवैध निर्माण स्वयं हटाया जाए, अन्यथा निगम द्वारा कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस पूरी कार्रवाई के दौरान भवन अधिकारी विशाल राठौर, भवन निरीक्षक, रिमूवल सहायक बबलू कल्याणे सहित निगम का अमला मौके पर मौजूद रहा। नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी शहर के किसी भी क्षेत्र में अवैध निर्माण पाए जाने पर इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि इंदौर को सुव्यवस्थित और अतिक्रमण मुक्त बनाया जा सके।

कानून के सामने झुका सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, पुलिस से बदसलूकी के मामले में क्राइम ब्रांच पहुंचकर मांगी माफी

इंदौर। पुलिस से बदसलूकी कर खुद को सोशल मीडिया का सितारा समझने वाला इन्फ्लुएंसर आखिरकार कानून के सामने झुकता नजर आया। एक्सीडेंट से जुड़े एक मामले में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी से अभद्र व्यवहार करने वाला सोनू वर्मा, वीडियो वायरल होने के बाद सीधे क्राइम ब्रांच पहुंचा और अपने किए पर माफी मांगता दिखाई दिया। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर साफ कर दिया कि कानून के आगे कोई भी व्यक्ति, चाहे उसकी सोशल मीडिया पहचान कितनी ही बड़ी क्यों न हो, बराबर है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने और तीखी आलोचना के बाद सोनू वर्मा एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया के समक्ष पेश हुआ। यहां उसने अपने व्यवहार को गलत स्वीकार करते हुए कहा कि पुलिस हमेशा आम लोगों की मदद करती है और उससे बड़ी भूल हो गई। इन्फ्लुएंसर ने भरोसा दिलाया कि भविष्य में वह कभी भी पुलिसकर्मियों के साथ बदसलूकी नहीं करेगा और ऐसी गलती दोबारा नहीं दोहराई जाएगी। क्राइम ब्रांच पहुंचकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के बाद यह साफ हो गया कि वायरल वीडियो और जन प्रतिक्रिया का उस पर गहरा असर पड़ा है। मामला सामने आते ही एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी हीरा नगर थाना पुलिस को दी। अब हीरा नगर पुलिस सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में सोनू वर्मा से पूछताछ करेगी। एडिशनल डीसीपी के अनुसार, सरकारी कार्य में बाधा का यह अपराध सात साल से कम सजा की श्रेणी में आता है, ऐसे में नियमानुसार आरोपी को नोटिस पर छोड़ा जाएगा। हालांकि पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि पूछताछ के दौरान पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी तय की जाएगी और जांच निष्पक्ष रूप से आगे बढ़ेगी। गौरतलब है कि यह पूरा विवाद एक सड़क हादसे के दौरान शुरू हुआ था, जब मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा था। इसी दौरान सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने उससे बदतमीजी की, जिसका वीडियो किसी ने रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो के सामने आते ही मामला सुर्खियों में आ गया और पुलिस-प्रशासन को संज्ञान लेना पड़ा। यह घटना एक अहम सवाल खड़ा करती है कि क्या सोशल मीडिया पर लोकप्रियता कानून से ऊपर हो सकती है। वायरल होने के बाद माफी मांगना भले ही एक कदम हो, लेकिन यह मामला यह संदेश जरूर देता है कि कानून व्यवस्था से ऊपर कोई नहीं है और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार हर हाल में जरूरी है।

क्रिसमस की खुशियों पर हमला, फूड स्ट्रीट में क्रिसमस ट्री की तोड़फोड़ और धार्मिक नारेबाजी से मचा हड़कंप

इंदौर। लसूडिया थाना क्षेत्र अंतर्गत स्कीम नंबर 78 स्थित द हब फूड स्ट्रीट में गुरुवार रात उस समय अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया, जब कुछ युवकों ने वहां क्रिसमस के अवसर पर लगाए गए क्रिसमस ट्री के साथ तोड़फोड़ की और धार्मिक नारेबाजी शुरू कर दी। यह घटना रात करीब दस बजे की बताई जा रही है, जब फूड स्ट्रीट पर लोगों की अच्छी-खासी मौजूदगी थी और एक निजी कंपनी का कार्यक्रम भी चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ युवक अचानक मौके पर पहुंचे और बिना किसी उकसावे के क्रिसमस ट्री को नुकसान पहुंचाने लगे। इसके साथ ही तेज आवाज में की गई नारेबाजी से वहां मौजूद लोग घबरा गए और कई लोग डर के कारण इधर-उधर हटने लगे। घटना के दौरान कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों ने स्थिति को संभालने और युवकों को रोकने की कोशिश की। कार्यक्रम की संचालिका ने माइक के माध्यम से शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन इसके बावजूद हंगामा कुछ समय तक जारी रहा। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों के बीच आक्रोश और चिंता का विषय बना हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जिस तरह से धार्मिक नारेबाजी की गई, उससे वहां मौजूद कई लोग खुद को असुरक्षित महसूस करने लगे और माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटना की सूचना मिलते ही लसूडिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए भीड़ को तितर-बितर किया। पुलिस ने मौके से वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्य एकत्र किए हैं। थाना प्रभारी तारेश सोनी के अनुसार सभी उपलब्ध वीडियो फुटेज की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि घटना में शामिल लोगों की पहचान की जा सके। फिलहाल इस मामले में किसी भी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, लेकिन पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने पर कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने शहर में धार्मिक आयोजनों और सार्वजनिक स्थानों पर शांति व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्रिसमस जैसे त्योहार के दौरान इस तरह की घटना से न केवल त्योहार की खुशियों को ठेस पहुंची है, बल्कि सामाजिक सौहार्द और आपसी विश्वास पर भी असर पड़ा है। स्थानीय लोग और कार्यक्रम में मौजूद नागरिक चाहते हैं कि ऐसे मामलों में त्वरित और कठोर कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और सभी लोग बिना डर के अपने त्योहार और आयोजनों को मना सकें।

इंदौर फिर बनेगा स्वच्छता का सिरमौर, 9वीं बार नंबर-1 बनाने की तैयारी तेज

- **महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में स्मार्ट सिटी कार्यालय पर हुई महत्वपूर्ण बैठक**

इंदौर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 को लेकर नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। स्मार्ट सिटी कार्यालय में शुक्रवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगम आयुक्त दिलीप यादव सहित महापौर परिषद के सभी सदस्य, विभागीय अधिकारी रोहित सिसोनिया और स्वच्छ भारत मिशन की टीम शामिल रही। इस दौरान महापौर एवं निगमायुक्त द्वारा आगामी सर्वेक्षण की नई गाइडलाइन पर विस्तार से चर्चा की गई और अधिकारियों ओर नगर निगम के जनप्रतिनिधियों अभी से मैदान में उतरने के लिए कहा गया।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर लगातार आठ बार देश का सबसे स्वच्छ शहर बन चुका है और अब लक्ष्य नौवीं बार नंबर-1 बनने का है। इसके लिए स्वच्छता को केवल अभियान नहीं, बल्कि जन-आंदोलन बनाना होगा। खास बात यह है कि इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर के साथ देपालपुर को भी स्वच्छता जोड़ी के रूप में शामिल किया गया है, जिससे जिम्मेदारी और बढ़ गई है।स्वच्छता सर्वेक्षण का यह 10वां संस्करण होगा। इस बार थीम रखी गई है-बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथइस प्रतियोगिता में देशभर के 4909 शहर इस सर्वेक्षण में भाग ले रहे हैं। बैठक में महापौर ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सड़कों पर पानी बहाने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जाए, ताकि गंदगी न फैले। स्वच्छता को लेकर अभी से माहौल बनाया जाए और जनजागरूकता अभियान तेज किए जाएं। स्कूलों में बच्चों से संवाद कर स्वच्छता का संदेश घर-घर तक पहुंचाने पर जोर भी दिया जाए क्योंकि वहीं से जागरूकता आगे बढ़ेगी।महापौर ने कहा कि मेजर सड़कों पर जहां खुदाई प्रस्तावित है, वह कार्य एक-दो माह में पूरा कर लिया जाए। शहर के रेड स्पॉट्स को खत्म करने के लिए विशेष अभियान चलाने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वाले डॉग वॉकर्स पर चालानी कार्रवाई करने और भवन निर्माण कार्यों में बायलॉज बना कर का सख्ती से पालन कराने के निर्देश भी दिए गए।

जनभागीदारी से ही मिलेगा मुकाम

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि स्वच्छता की सफलता जनप्रतिनिधियों प्रशासन और नागरिकों की साझी जिम्मेदारी है। यदि सभी मिलकर तय दिशा में काम करें, तो इंदौर एक बार फिर देश को स्वच्छता का मॉडल बन कर दुनिया के पटल पर अपना नाम रोशन करेगा और नौवीं बार नंबर-1 बनने का गौरव हासिल करेगा।

नववर्ष पर खजराना गणेश मंदिर में उमड़ेगा आस्था का सैलाब, करीब 3 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना

इंदौर। नए साल की शुरुआत भगवान गणेश के दर्शन के साथ करने की परंपरा को निभाते हुए 1 जनवरी को इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। अनुमान है कि नववर्ष के पहले दिन करीब तीन लाख श्रद्धालु खजराना गणेश मंदिर पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खजराना गणेश मंदिर प्रबंध समिति के साथ जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

वीर बाल दिवस पर इंदौर में आयोजन, मीनाक्षी लेखी ने साहिबजादों के बलिदान और अर्थव्यवस्था पर रखे विचार

रुपये की स्थिति को बताया सोची-समझी आर्थिक रणनीति, बांग्लादेश और विपक्ष पर भी साधा निशाना

इंदौर। वीर बाल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार इंदौर स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में सुखमनी साहिब का पाठ, कीर्तन एवं लंगर का आयोजन किया गया। पटियाला से आए कीर्तन दल ने गुरु वाणी का गायन कर पूरे कार्यक्रम को आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। आयोजन में नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

कीर्तन और पाठ साहिब के उपरांत मीडिया से चर्चा करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि आज का भारत असंख्य बलिदानों की नींव पर खड़ा है। गुरु गोविंद सिंह के परिवार के त्याग से लेकर अहिल्याबाई होल्कर और नांदेड़ की ऐतिहासिक विरासत तक, देश का इतिहास निरंतर प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र का भविष्य उसके इतिहास से आकार लेता है और समय-समय पर समाज में जागृति आवश्यक होती है। उन्होंने आदि ग्रंथ में वर्णित उपदेशों का उल्लेख करते हुए कहा कि वे सभी धर्मों और बलिदानियों का सम्मान करते हैं, जो भारतीय संस्कृति की समृद्ध और समावेशी परंपरा को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत 2047 के विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को तभी प्राप्त कर सकेगा, जब वह अपनी विरासत और सांस्कृतिक मूल्यों को सुरक्षित रखेगा।

रुपये की गिरती कीमत पर मीनाक्षी लेखी का पक्ष- मीडिया द्वारा रुपये की डॉलर के मुकाबले घटती कीमत को लेकर पूछे गए सवाल पर मीनाक्षी लेखी ने कहा कि इसे केवल गिरावट के रूप में देखना सही नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुद्रा मूल्य कई आर्थिक कारकों-जैसे मुद्रास्फीति, आयात-निर्यात नीति, वैश्विक परिस्थितियां और सोने के मूल्य-पर निर्भर करता है। रुपये की कीमत में कमी का एक पक्ष यह भी है कि इससे देश के निर्यातकों को लाभ मिलता है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय मुद्रास्फीति 20 प्रतिशत से अधिक थी और खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ रही थीं, जबकि वर्तमान में मुद्रास्फीति 5 प्रतिशत से नीचे है। साथ ही भारत में सोने के मूल्य में बढ़ोतरी हुई है, जो अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि रुपये की स्थिति को समग्र दृष्टिकोण से देखना चाहिए और इसे एक सोची-समझी आर्थिक रणनीति के रूप में समझा जा सकता है।

- **बांग्लादेश और विपक्ष पर टिप्पणी**

पड़ोसी देश बांग्लादेश के हालात पर बोलते हुए लेखी ने कहा कि सभी लोग कट्टर सोच वाले नहीं होते और भारत में असहिष्णुता के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि केंद्र सरकार पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए है और देशहित में आवश्यक निर्णय ले रही है। राजनीतिक बयानबाजी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें कहा गया था कि भाजपा शासन में हिंदू खतरे में हैं। इस पर मीनाक्षी लेखी ने कहा कि दिग्विजय सिंह जैसे लोग खुद ही खतरे में हैं। अंत में उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस मनाने का उद्देश्य देश में वीरता, त्याग और विरासत के प्रति भाव जागृत करना है, ताकि साहिबजादों का साहस और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहे।

एमपी में बस सेवा के लिए बनाएं 'लोगो' और जीतें 5 लाख का नकद इनाम, डिजाइन में इस भाषा का इस्तेमाल है जरूरी

भोपाल। मध्य प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन की सूरत बदलने के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में एक बड़ी पहल शुरू की गई है। राज्य सरकार ने अपनी नई परिवहन इकाई 'मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड' (MPYPIL) के लिए एक आकर्षक लोगो (प्रतीक चिन्ह) डिजाइन करने की प्रतियोगिता आयोजित की है। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को कुल 8 लाख रुपये तक के पुरस्कार दिए जाएंगे।

योजना और उद्देश्य?

पिछले दिनों 1 अप्रैल 2025 को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ़ बनाने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना के तहत यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और आधुनिक तकनीक से लैस बस सेवा प्रदान की जाएगी। इस पूरी व्यवस्था के संचालन के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (MPYPIL) का गठन

किया गया है।

प्रतियोगिता का आकर्षण 5 लाख का प्रथम पुरस्कार

लेट्सक्रिएट अ लोगो नाम की इस प्रतियोगिता में देश भर के कला एवं अन्य संकाय के छात्र, फ्रीलांसर कलाकार और प्रोफेशनल एजेंसियां भाग ले सकती हैं। चयन समिति सर्वश्रेष्ठ तीन डिजाइनों को चुनेगी:-

प्रथम पुरस्कार:- 5,00,000 (5 लाख रुपये)

द्वितीय पुरस्कार:- 2,00,000 (2 लाख रुपये)

तृतीय पुरस्कार:- 1,00,000 (1 लाख रुपये)

संस्कृत टैगलाइन है अनिवार्य

प्रतियोगिता की सबसे महत्वपूर्णशर्तयह है कि लोगो के साथ संस्कृत भाषा में एक टैगलाइन (आदर्श वाक्य) होनी चाहिए। यह टैगलाइन LIC के योगक्षेमंवहाम्यहम् की तरह प्रभावशाली होनी चाहिए। इसका अर्थ जिसका अर्थ है आपका कल्याण हमारी ज़िम्मेदारी है या मैं आपके हित और कल्याण का वहन करता हूँ। इस टैगलाइन से विभाग का ध्येय परिभाषित होता हो।

कमरे में बुलाने के विवाद ने ली जान, पीथमपुर में 12 घंटे में सुलझा सनसनीखेज हत्याकांड

पीथमपुर। औद्योगिक नगर पीथमपुर के सेक्टर-एक थाना क्षेत्र अंतर्गत मनवानी कॉलोनी में हुए एक सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने महज 12 घंटे में खुलासा कर दिया है। बुधवार रात हुई इस वारदात ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी थी, लेकिन पुलिस की तत्परता और सघन जांच के चलते आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया जारी है। थाना प्रभारी ओम प्रकाश अहीर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस हत्याकांड को पुलिस ने एक बड़ी चुनौती के रूप में लिया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए अलग-अलग टीमें गठित की गईं और तकनीकी व पारंपरिक जांच के माध्यम से 12 घंटे के भीतर पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक अक्षय और आरोपी अनिल विश्वकर्मा के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था।

पूछताछ में आरोपी अनिल विश्वकर्मा ने स्वीकार किया कि वह मृतक अक्षय के मकान में किराए से रह रहा था। किराए के कमरे में शराब पीने से मना करने और दोस्तों को कमरे में बुलाने को लेकर दोनों के बीच आए दिन कहासुनी होती रहती थी। बुधवार रात भी इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक हो गया। गुस्से में आकर आरोपी ने घर में रखे चाकू से अक्षय की गर्दन पर जोरदार वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या के बाद आरोपी ने घटना को हादसे का रूप देने की कोशिश में अक्षय के शव को मकान की पहली मंजिल से नीचे फेंक दिया। हालांकि पुलिस को मौके की स्थिति और साक्ष्यों के आधार पर संदेह हुआ, जिसके बाद गहन पूछताछ में पूरा मामला सामने आ गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी अनिल विश्वकर्मा शादीशुदा है, लेकिन कई वर्षों से उसकी पत्नी उससे अलग रह रही है और वह अकेला जीवन व्यतीत कर रहा था। अकेलेपन और आए दिन के विवादों के चलते वह मानसिक तनाव में था, जिसका नतीजा यह निर्मम हत्या बनी। इस जघन्य हत्याकांड का खुलासा करने में थाना प्रभारी ओपी अहीर के नेतृत्व में उप निरीक्षक चांदनी सिंगार, उप निरीक्षक जगदीश मीणा, सहायक उप निरीक्षक केके परिहार, प्रधान आरक्षक विजय सिंह, प्रधान आरक्षक अनिल द्विवेदी और आरक्षक विक्की कुशवाह की अहम भूमिका रही। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से न केवल आरोपी की गिरफ्तारी संभव हो सकी, बल्कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर लोगों का भरोसा भी मजबूत हुआ है।

जीएसटी छापे में बड़ा खुलासा, जबलपुर में सात स्क्रैप कारोबारियों पर फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट का मामला उजागर

जबलपुर। जीएसटी विभाग की कार्रवाई के दौरान बड़ा खुलासा सामने आया है। शहर में स्क्रैप के कारोबार से जुड़ी सात फर्मों पर की गई छापेमारी में बड़े पैमाने पर फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट का मामला उजागर हुआ है। प्रारंभिक जांच में करोड़ों रुपए के फर्जी बिलों के जरिए कर लाभ उठाने की आशंका जताई जा रही है। विभागीय कार्रवाई से व्यापारिक हलकों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, जीएसटी और संबंधित कर विभाग ने जबलपुर की प्रमुख स्क्रैप कारोबारी फर्मों केएनआर मेटल्स और शमा स्टील पर विशेष रूप से शिकंजा कसा है। जांच में सामने आया है कि इन फर्मों के माध्यम से बड़े पैमाने पर फर्जी लेन-देन दिखाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ लिया गया। प्रारंभिक आकलन के मुताबिक लगभग दो करोड़ रुपए से अधिक के इनपुट टैक्स क्रेडिट का मामला सामने आया है। कार्रवाई के दौरान विभाग ने तत्काल भुगतान की प्रक्रिया भी शुरू कराई। केएनआर मेटल्स द्वारा 11 लाख 84 हजार रुपए जबकि शमा स्टील द्वारा 9 लाख रुपए की जीएसटी राशि तत्काल जमा कराई गई है। इस तरह दोनों फर्मों से कुल करीब 20 लाख रुपए विभाग को जमा कराए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह केवल प्रारंभिक जमा है और अंतिम देय राशि जांच पूरी होने के बाद तय की जाएगी। जांच में यह भी सामने आया है कि केएनआर मेटल्स ने लगभग 10 करोड़ रुपए के फर्जी बिलों के जरिए करीब 2 करोड़ रुपए के इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाया हो सकता है। विभाग ने सातों फर्मों को अपने-अपने लेन-देन से जुड़े सभी दस्तावेज शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। फर्मों की ओर से दस्तावेज जमा करने का आश्वासन दिया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि दस्तावेजों के परीक्षण और मिलान के दौरान कर चोरी, अनियमितता या कर की कमी पाई जाती है, तो संबंधित फर्मों से पूरी जीएसटी देय राशि वसूली जाएगी। फिलहाल सभी सातों फर्मों की जांच प्रक्रिया जारी है और दस्तावेजों के आधार पर आगे की कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिन फर्मों पर छापेमारी की गई है, उनमें शमा स्टील, केएनआर मेटल्स, मदन ट्रेडर्स, मानस इंटरप्राइजेज, वर्धमान इंटरप्राइजेज, सिल्वर स्टील इंडस्ट्री और महावीर इंडस्ट्री शामिल हैं। ये सभी फर्में स्क्रैप से जुड़े कारोबार में संलग्न हैं। इस कार्रवाई को जीएसटी विभाग द्वारा कर चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

सागर में दिल दहला देने वाली घटना : दो मासूम बेटों संग मां ने लगाई फांसी

सागर। जिले से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। रहली थाना क्षेत्र के ग्राम मैनाई में बीती रात एक महिला ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब परिजन खेत से लौटे और घर के अंदर का नजारा देखा तो चीख-पुकार मच गई। इस हृदय विदारक घटना से पूरे गांव में शोक और सन्नाटा फैल गया है। मृतका की पहचान 27 वर्षीय रचना लोधी, पति राजेश लोधी के रूप में हुई है। रचना के साथ उसके 5 वर्षीय बेटे ऋषभ और 2 वर्षीय बेटे राम के शव भी कमरे में फंदे से लटके मिले। बताया जा रहा है कि परिजन रोज की तरह खेत गए हुए थे। रात में जब वे वापस लौटे तो घर का दरवाजा खोलते ही अंदर का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। तीनों के शव एक ही कमरे में लटके हुए थे। इसके बाद तत्काल ग्रामीणों को सूचना दी गई और पुलिस को बुलाया गया। सचना मिलते ही रहली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों शवों को फंदे से उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई। मेडिकल ऑफिसर डॉ. बसंत नेमा ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है और हर पहलू से जांच शुरू कर दी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए सागर से एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची और कमरे के अंदर व आसपास से साक्ष्य जुटाए गए। प्रारंभिक जांच में घरेलू कलह को आत्महत्या का संभावित कारण माना जा रहा है, लेकिन पुलिस का कहना है कि सभी बिंदुओं पर गहन जांच की जा रही है। यह सवाल अभी अनसुलझा है कि आखिर एक मां ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ ऐसा खौफनाक कदम क्यों उठाया। मृतका के भाई रविंद्र लोधी ने बताया कि सुबह घटना की सूचना मिली, जिसके बाद पूरा परिवार सदमे में है। उन्होंने कहा कि यह आत्महत्या है या इसके पीछे कोई और वजह है, इसका खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा। इस दर्दनाक घटना के बाद से गांव में मातम पसरा हुआ है और हर कोई इस बात से स्तब्ध है कि आखिर दो मासूम बच्चों की जिंदगी कैसे खत्म हो गई। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना की असली वजह सामने आ सकेगी।

शायराना अंदाज में बोले डॉ. नरोत्तम मिश्रा, विरोधियों पर कसा सियासी तंज

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री और दतिया से भाजपा नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा एक बार फिर अपने बेबाक और शायराना अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। भोपाल जाते समय ट्रेन में रिकॉर्ड किया गया उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे विरोधियों पर तीखा सियासी तंज कसते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में डॉ. नरोत्तम मिश्रा शायरी के अंदाज में कहते दिखाई दे रहे हैं कि जिनकी अपनी चड्डियां तक फटी हैं, वे हमारी टोपियां उछालने में लगे हैं। इस शायरी के जरिए उन्होंने साफ तौर पर अपने राजनीतिक विरोधियों पर निशाना साधा है। उनके इस बयान को सियासी व्यंग्य के तौर पर देखा जा रहा है, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। डॉ. नरोत्तम मिश्रा सियासत में अपने स्पष्ट और दोटूक बयानों के लिए जाने जाते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब उन्होंने शायरी के माध्यम से अपनी बात रखी हो। इससे पहले भी वे कई बार इसी अंदाज में राजनीतिक संदेश देते नजर आ चुके हैं, जिसे उनके समर्थक काफी पसंद करते हैं। वीडियो के वायरल होते ही राजनीतिक गलियारों में प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। समर्थक जहां इसे उनकी बेबाक शैली बता रहे हैं, वहीं विरोधी दल इसे राजनीतिक कटाक्ष के रूप में देख रहे हैं। फिलहाल यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर हो रहा है और प्रदेश की सियासत में हलचल मचा रहा है।

गौरव दिवस कार्यक्रम में हंगामा, कैलाश खेर की टिप्पणी के बाद शो बंद

ग्वालियर। गौरव दिवस के आयोजन के दौरान उस समय हंगामा हो गया, जब मशहूर सूफी और बॉलीवुड सिंगर कैलाश खेर की प्रस्तुति के बीच भीड़ बेकाबू हो गई। हालात बिगड़ते देख कार्यक्रम को बीच में ही बंद करना पड़ा। मौके पर मौजूद पुलिस ने स्थिति को संभालने के लिए हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को नियंत्रित किया। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री और ग्वालियर के लाडले सपूत स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को ग्वालियर गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में ग्वालियर प्रशासन द्वारा मेला मैदान में अभ्युदय मध्य प्रदेश ग्रोथ समिट के सभा डोम में गौरव दिवस का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर को प्रस्तुति देनी थी। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम स्थल पर स्टेज और दर्शकों के बीच काफी दूरी रखी गई थी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए यह दूरी करीब 20 फीट से अधिक रखी गई थी। जैसे ही कैलाश खेर की प्रस्तुति शुरू हुई, उन्होंने मंच से दर्शकों को आगे आने के लिए कहा। इसके बाद भीड़ अचानक बेकाबू हो गई और लोग बैरिकेड्स तोड़ते हुए स्टेज के पास पहुंचने लगे। स्थिति बिगड़ती देख कैलाश खेर ने अपनी प्रस्तुति रोक दी। इसी दौरान उन्होंने मंच से भीड़ को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी, जिससे दर्शक और अधिक नाराज हो गए और हंगामा बढ़ गया। हालात को काबू से बाहर जाता देख सुरक्षाबलों ने हस्तक्षेप किया और हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को पीछे हटाया।घटना के बाद कैलाश खेर नाराज होकर मंच छोड़कर चले गए और कार्यक्रम को तत्काल समाप्त कर दिया गया। बताया गया कि कैलाश खेर को शाम 7 बजे मंच पर आना था, लेकिन वे करीब डेढ़ घंटे की देरी से रात 8:30 बजे पहुंचे थे। लंबे इंतजार के बाद जब कार्यक्रम शुरू हुआ तो दर्शक उत्साहित थे, लेकिन अव्यवस्था और हंगामे के कारण आयोजन अधूरा रह गया। इस घटना के बाद कार्यक्रम की व्यवस्थाओं और भीड़ नियंत्रण को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। फिलहाल प्रशासन ने स्थिति सामान्य होने की बात कही है।

ई-रिक्शा चलाते दिखे विधायक रमेश मेंदोला, सादगी भरे अंदाज ने जीता लोगों का दिल

इंदौर। इंदौर में राजनेताओं के अलग-अलग अंदाज अक्सर चर्चा में रहते हैं। इस बार इंदौर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-2 से भारतीय जनता पार्टी के विधायक रमेश मेंदोला अपने सादगी भरे व्यवहार को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे किसी लग्जरी वाहन में नहीं, बल्कि स्वयं ई-रिक्शा चलाते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि विधायक रमेश मेंदोला ड्राइवर की सीट पर बैठकर ई-रिक्शा चला रहे हैं। उनके साथ रिक्शा में अन्य लोग भी सवार हैं। आमतौर पर सुरक्षा घेरे और समर्थकों के बीच नजर आने वाले विधायक का यह सहज और सरल रूप लोगों को काफी पसंद आ रहा है।

सोशल मीडिया पर जमकर हो रही तारीफ

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सड़क पर मौजूद लोग भी विधायक को इस रूप में देखकर हैरान रह गए। कई यूजर्स ने कमेंट करते हुए लिखा कि एक जनप्रतिनिधि को जनता के बीच इसी तरह सरल और जमीन से जुड़ा होना चाहिए। लोगों ने इसे उनकी सादगी और आमजन से जुड़ाव का प्रतीक बताया है।

रिकॉर्ड मतों से जीतने वाले नेता

रमेश मेंदोला इंदौर की राजनीति में एक बड़ा और प्रभावशाली नाम माने जाते हैं। वे अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों और जनता से सीधे संवाद के लिए जाने जाते हैं। विधानसभा चुनावों में वे रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज कर चुके हैं और उनकी जीत का अंतर अक्सर राजनीतिक चर्चाओं का विषय रहता है। यह पहला अवसर नहीं है जब विधायक मेंदोला अपने अलग अंदाज को लेकर चर्चा में आए हों। इससे पहले भी वे धार्मिक आयोजनों और सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाते रहे हैं। हालांकि, ई-रिक्शा चलाने का यह वीडियो उनके समर्थकों और आम लोगों के बीच एक नई चर्चा का विषय बन गया है। फिलहाल यह वीडियो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर खूब शेयर किया जा रहा है।

अटलजी के नाम पर शुरू की गई परियोजनाएं बदहाल

इंदौर। देश के राष्ट्रपुरुष और राजनीति में शुचिता के प्रतीक पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के मौके पर नगर निगम ने महापौर परिषद की विशेष बैठक आयोजित की है। इस बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग के इंदौर सीमा में आने वाले निरंजनपुर से लेकर राजीव गांधी प्रतिमा तक के हिस्से का नाम 'अटल बिहारी वाजपेयी मार्ग' के रूप में किया जाएगा। हालांकि, इस अवसर पर अटलजी के नाम पर पहले से शुरू की गई परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति देखने पर दयनीय हालात सामने आए हैं। इंदौर में सार्वजनिक लोक परिवहन सेवा 2005 में शुरू हुई थी और 2006 से बस संचालन प्रारंभ हुआ। इसे 'इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड' नाम दिया गया, 2010 में इसे अटलजी के नाम पर एआईसीटीएसएल कर दिया गया और 2015 में 'अटल सिटी बस' के रूप में पहचाना गया। लेकिन अब यह सेवा 80 करोड़ रुपए के घाटे में चल रही है और संचालन के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। भंवरकुआं चौराहे के पास स्थित शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जो 1891 में स्थापित हुआ था, 2009 में अटलजी के नाम पर नामांकित किया गया। बाद में इसे पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज के रूप में चयनित किया गया। अब यह महाविद्यालय अटलजी के नाम से कम और पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज के रूप में ज्यादा पहचाना जाता है। वर्ष 2003 में योजना क्रमांक 78 के तहत विकसित अटल खेल परिसर भी वर्तमान में सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा है। इसमें बनाया गया स्विमिंग पूल 2005 में तैयार होने के बावजूद अब तक शुरू नहीं हो सका।नगर निगम ने 2002 में एमआईजी थाने के सामने अटल द्वार बनाया था। अब जंजीरवाला चौराहा से अटल द्वार तक सड़क चौड़ी करने की तैयारी है, जिससे अटल द्वार भी संकट में पड़ सकता है। नगर निगम द्वारा नए भवन में निर्मित अटल सभागृह का संचालन व्यवस्थित तरीके से हो रहा है और इसका निर्माण एक साल पहले पूरा हुआ है। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा 2002 में निर्मित पीपल्यापाला अटल रीजनल पार्क को अब निगम निजी ठेकेदार को देने की कोशिश कर रहा है, लेकिन कोई इसे लेने को तैयार नहीं है। इन तमाम परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति यह दिखाती है कि अटलजी के नाम पर शुरू की गई कई सुविधाएं घाटे और अव्यवस्थाओं के कारण गंभीर चुनौती बन गई हैं। नगर निगम की बैठक में अटलजी की 100वीं जन्मजयंती के अवसर पर इन परियोजनाओं और शहर के विकास को लेकर व्यापक चर्चा की गई।

कंट्रोल दुकानों का बदलेगा स्वरूप, अब बनेंगी सीएम पोषण मार्ट, एक ही जगह मिलेगा राशन सहित हर जरूरी सामान

इंदौर। प्रदेश में कंट्रोल दुकानों की व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब कंट्रोल दुकानें केवल राशन वितरण तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि इन्हें जनरल स्टोर के रूप में विकसित किया जाएगा। इन दुकानों पर राशन के साथ-साथ किराना, घरेलू उपयोग की सामग्री और अन्य आवश्यक उपभोक्ता वस्तुएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इस बदलाव का उद्देश्य कंट्रोल दुकान संचालकों की आय बढ़ाना और राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाना है, ताकि गड़बड़ी की संभावनाएं कम हो सकें। दरअसल, लगातार बढ़ती महंगाई के कारण कंट्रोल दुकानों का संचालन संचालकों के लिए घाटे का सौदा होता जा रहा था। इसी समस्या को देखते हुए इंदौर से एक पायलट परियोजना की शुरुआत की गई, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अब इस योजना को प्रदेश के 13 जिलों में विस्तार दिया जा रहा है। इन दुकानों को मुख्यमंत्री पोषण केन्द्र या मुख्यमंत्री पोषण मार्ट के रूप में संचालित किया जाएगा, जिससे आम जनता को एक ही स्थान पर सभी जरूरी सामान मिल सके। इन दिनों प्रदेश सरकार के मंत्री अपने-अपने विभागों के दो वर्षों के कार्यों का लेखा-जोखा मीडिया के सामने रख रहे हैं। इसी क्रम में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री पोषण मार्ट योजना को भोपाल सहित अन्य जिलों में भी लागू किया जा रहा है। इस योजना के तहत कंट्रोल दुकानों पर राशन के साथ-साथ किराना और अन्य उपभोक्ता सामग्री की बिक्री की जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को सुविधा और संचालकों को अतिरिक्त आमदनी मिलेगी। यह उल्लेखनीय है कि इस योजना की शुरुआत इंदौर से की गई थी, जहां सबसे पहले 30 कंट्रोल दुकानों पर जनपोषण केन्द्र शुरू किए गए। यहां से मिले अनुभव के आधार पर सरकार ने इसे पूरे प्रदेश में लागू करने का निर्णय लिया है। माना जा रहा है कि इस नई व्यवस्था से कंट्रोल दुकान संचालकों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आम जनता को भी बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी।

रोटेरियन सुखदेव सिंह घुम्मन निर्विरोध डिस्ट्रिक्ट गवर्नर निर्वाचित

इंदौर। रोटेरियन सुखदेव सिंह घुम्मन रोटरी क्लब ऑफ इंदौर चोइथराम के संस्थापक सदस्य हैं, को रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के वर्ष 2028ङ्क29 के लिए निर्विरोध डिस्ट्रिक्ट गवर्नर चुना गया है। सुखदेव सिंह घुम्मन एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाजसेवी हैं और लंबे समय से रोटरी के माध्यम से जनकल्याण के कार्यों में जुड़े हुए हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में रोटरी के माध्यम से अनेक प्रभावी एवं जनसेवी परियोजनाओं को लागू करने की योजना बनाई है। रोटे. सुखदेव सिंह घुम्मन ने डिस्ट्रिक्ट के 100 से अधिक रोटरी क्लबों से आह्वान किया है कि वे एकजुट होकर सहयोग करें, ताकि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 को सेवा, प्रभाव और नेतृत्व के क्षेत्र में शीर्ष स्तर पर पहुँचाया जा सके। इस अवसर पर उनके साथ समाज सेवा के लिए प्रतिबद्ध उनकी टीम ने भी पूर्ण समर्थन का संकल्प लिया है। उनकी कोर टीम में, कर्नल महेन्द्र मिश्रा, रोटे. मुकेश साहू, रोटरी क्लब इंदौर चोइथराम के संस्थापक रोटे. डॉ. तेजेश ए. मेहता, रोटे. सरजीव पटेल, एवं रोटरी क्लब ऑफ इंदौर चोइथराम की अध्यक्ष रोटे. अनुजा ताऊसे , रो. घनश्याम सिंह एवं कई और शामिल हैं, जो समाज के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने हेतु संकल्पित हैं। उनके निर्विरोध निर्वाचन से पूरे रोटरी परिवार में हर्ष और उत्साह का वातावरण है।

फर्जीवाड़ा बंद नहीं किया तो विधानसभा पर करेंगे प्रदर्शन, रजिस्ट्रार व डीएमई को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। नर्सिंग कॉलेजों में नर्सिंग स्टाफ के फर्जीवाड़े, छात्रों को समय पर स्कॉलरशिप नहीं मिलने और परीक्षा-परिणाम में हो रही देरी को लेकर एनएसओ छात्र संगठन ने कड़ा रुख अपनाया है। गुरुवार, 26 दिसंबर 2025 को संगठन ने प्रदेश अध्यक्ष राघवेन्द्र लोधी के नेतृत्व में नर्सिंग काउंसिल भोपाल के रजिस्ट्रार एवं डीएमई को ज्ञापन सौंपा।

संगठन के अध्यक्ष गोपाल पाराशर ने बताया कि बार-बार ज्ञापन और आंदोलन के बावजूद नर्सिंग काउंसिल भोपाल और मध्यप्रदेश सरकार नर्सिंग कॉलेजों में चल रहे फर्जीवाड़े पर लगाम नहीं लगा पा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकांश नर्सिंग कॉलेजों में नियमानुसार 30 प्रतिशत स्टाफ भी मौजूद नहीं है। मान्यता के ऑनलाइन फॉर्म भरते समय हॉस्पिटल स्टाफ के दस्तावेज लगाए जाते हैं और मान्यता मिलते ही स्टाफ को रिलीव कर दिया जाता है, जबकि उनके दस्तावेज पूरे वर्ष ऑनलाइन लगे रहते हैं। इससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होती है और मामले कोर्ट तक पहुंचने पर नुकसान भी छात्रों को उठाना पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के नर्सिंग छात्रों को पिछले चार वर्षों से स्कॉलरशिप नहीं मिली है। समय पर परीक्षाएं नहीं हो पा रही हैं, परिणामों में लगातार देरी हो रही है और छात्रों की डिग्री व डिप्लोमा निर्धारित अवधि के बजाय लगभग दोगुने समय में पूरे हो रहे हैं।

संगठन के प्रदेश महासचिव सचिन अहिरवार ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि रिलीव किए गए स्टाफ का नाम तुरंत ऑनलाइन हटाया जाए और नए योग्य स्टाफ का नाम जोड़ा जाए, ताकि छात्रों को पर्याप्त शिक्षण स्टाफ मिल सके। साथ ही फर्जीवाड़ा करने वाले नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता रद्द करने के आदेश जारी किए जाएं। इसके अलावा सभी छात्रों को शीघ्र स्कॉलरशिप प्रदान करने, स्कॉलरशिप पोर्टल को सभी छात्रों के फॉर्म भरने तक लगातार खुले रखने, नियमित रूप से परीक्षाएं आयोजित करने और जल्द परिणाम घोषित कर डिग्री-डिप्लोमा में हो रही देरी खत्म करने की भी मांग की गई है।

संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि छात्रहित में उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आगामी विधानसभा सत्र के दौरान मध्यप्रदेश विधानसभा पर आंदोलन-प्रदर्शन किया जाएगा और माननीय न्यायालय में याचिका भी दायर की जाएगी। इस आंदोलन में मीडिया प्रभारी पप्पू कुमार, नीलम, रागिनी सहित तीन दर्जन से अधिक छात्र उपस्थित रहे।

15.03 ग्राम एमडी के साथ आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनसे जुड़े अपराधों पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए हैं। इन निर्देशों के पालन में क्राइम ब्रांच इंदौर द्वारा लगातार गोपनीय सूचना संकलन कर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच टीम ने सार्वजनिक शौचालय, डीआरपी लाइन शांति पथ रोड इंदौर क्षेत्र से एक आरोपी को अवैध मादक पदार्थ एमडी के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्धों की तलाश के दौरान एक व्यक्ति सड़क किनारे संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर घबरा गया। घेराबंदी कर उसे रोका गया और पूछताछ में उसने अपना नाम आमिल हुसैन, निवासी छोटी ग्वालटोली, इंदौर बताया। विधिवत तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 15.03 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 1 लाख 60 हजार रुपये बताई जा रही है। साथ ही एक दोपहिया वाहन भी जब्त किया गया। जब्त माल की कुल अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख रुपये है। आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में कबूल किया कि वह अवैध लाभ कमाने के उद्देश्य से सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदकर इंदौर शहर में नशे के आदी लोगों को अधिक दामों पर बेचता था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी आमिल हुसैन पर पूर्व में भी शहर में पांच प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी पेशे से ड्राइवर है और आठवीं कक्षा तक शिक्षित है। क्राइम ब्रांच द्वारा आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 219/2025 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है। मामले में विवेचना के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रव्यापी स्तर पर आयोजित होने वाले वीरबाल दिवस का उत्सव धार में भी मनाया गया

भारत के भविष्य की नींव माने जाने वाले बच्चों को सम्मानित किया

दिलीप पाटीदार

धार भारत सरकार मंत्रालय महिला एवं बाल विकास एवं कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशानुसार शुक्रवार को राष्ट्रव्यापी स्तर पर आयोजित होने वाले वीरबाल दिवस का उत्सव भारत के भविष्य की नींव माने जाने वाले बच्चों को सम्मानित करने के लिए मनाया गया। जिसमें विभिन्न गतिविधियों का आयोजन जैसे- चित्रकला, पोस्टर बनान, रचनात्मक लेखन, निबंध, प्रश्नोत्तरी ज्ञानवर्धक खेल, कहानी सुनाना, पुस्तक पठन सत्र, वाद-विवाद भाषण कला, नाटक, भूमिका निर्वाह नारा लेखन, प्रतियोगिताएं, रैलियां जागरूकता, पद यात्राएं, समूह चर्चाएं, सहपाठी शिक्षण मण्डलिया, खेल और फिटनेस गतिविधियों का जागरूकता हेतु विभिन्न आयु समूह के साथ किया जाना है। जिससे की जागरूकता संदेशों को बढावा मिले और देश के आने वाले भविष्य बच्चें- युवा इससे जुडकर बेहतर भविष्य बना सके और अपने प्रति आये। इसी अंतर्गत शुक्रवार को कन्या परिसर नौगांव धार में बालिकाओं को वीरबाल दिवस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्रदीप सोनी थे। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री सुभाष जैन के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम मे प्रथम सत्र में दीप प्रज्जवलन के साथ शुभारंभ किया गया। बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत एवं नृत्य की प्रस्तुती दी। साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं चयनित बालिकाओं को शिल्ड व प्रमाण पत्र प्रोत्साहन स्वरूप दिये गये।

द्वितीय सत्र में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्री प्रदीप सोनी द्वारा बालिकाओं को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए आज के विशेष अवसर के साथ "बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय विशेष अभियान" के बारे में जागरूक करते हुए समझाया गया कि वह सभी देश का आने वाला भविष्य है। अतः उन्हें अपने प्रति जागरूक रहना होगा। यदि उनके माता-पिता द्वारा उनका विवाह करने का प्रयास किया जाए तो वह तुरन्त सूचना दे एवं यदि किसी भी कानूनी सहायता की आवश्यकता होती है तो बालिकाएं सहायता के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर सकते है। अपने उज्जवल भविष्य के लिए सभी बालिकाओं अपनी पढाई पर ध्यान देना आवश्यक है। अतः अपने लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रीत करें एवं भविष्य के लिए सफलता की शुभकामानाएं दी। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री सुभाष जैन द्वारा बालिकाओं को वीरबाल दिवस की शुभकामानाएं दी गई एवं बालिकाओं हेतु संचालित की जाने वाले विभिन्न योजनाओं के साथ बाल विवाह कि स्थिति में वह 24 घण्टे कार्यरत रहते है यदि किसी बालिका को कोई भी समस्या है। एवं किसी भी तरह की सहायता की आवश्यकता या कही भी बाल विवाह हो रहा है तो उसकी सूचना 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन नम्बर पर दे। सूचनाकर्ता का नाम गोपनीय रखा जाऐगा बालिकाओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम पायल जमरा, द्वितीय लक्ष्मी मोरी, एवं तृतिय गरिमा वास्केल रही है। कन्या परिसर नौगांव के समस्त स्टाफ का कार्यक्रम में संतोष, वंदना दवे, सीमा यादव, आकाश पाल, सुनिल बरगोदिया, अनामिका कोचले व शमीम शेख का विशेष योगदान रहा है। वीर बाल दिवस के अवसर पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम को महिला एवं बाल विकास द्वारा जिले में संचालित सेक्टर भवन एवं आंगनवाड़ी केन्द्र पर ग्रामीणजन बालक, बालिकाओं को सीधा प्रसारण दिखाया गया।

वीर बाल दिवस धर्म, साहस,रक्षा,न्याय का प्रतीक

वीर बाल दिवस पर विद्यालयों आयोजित हुई प्रतियोगिताएं

शहडोल :- संचालनालय महिला एवं बाल विकास भोपाल के निर्देशानुसार महिला बाल विकास विभाग के तत्वाधान में वीर बाल दिवस के अवसर पर शहडोल जिले के विद्यालयों एवं ऑगनवाड़ी केंद्रो में वीर बल दिवस मनाया गया एवं वीर बाल दिवस के इतिहास पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। वीर बाल दिसव के अवसर पर शासकीय हाई स्कूल भर्री, माध्यमिक शाला बरहाई,नंदना एवं श्यामडीह खुर्द में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्री राकेश खरे वीर बाल दिवस के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वीर बाल दिवस श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों के अद्भुत साहस, त्याग और बलिदान को याद करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने साल 2022 में ये घोषणा की थी कि हर साल 26 दिसंबर को इस दिन को "वीर बाल दिवस" के रूप में मनाया जाएगा ताकि राष्ट्रीय युवा पीढ़ी साहिबजादों की वीर गाथा से प्रेरणा ले सकें। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस धर्म, साहस और न्याय की रक्षा का प्रतीक है।

कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अखिलेश मिश्रा ने बताया कि वीर बाल दिवस की जड़ें सिख इतिहास के 17वीं सदी में हैं जब गुरु गोबिंद सिंह जी के चारों पुत्रों साहिबजादे अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह मुगल शासन के अत्याचार के खिलाफ दृढ़ता से डटे रहे। इस दिन विशेष रूप से छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह (9 वर्ष) और बाबा फतेह सिंह (7 वर्ष)

की शहादत को याद किया जाता है। मुगल शासक औरंगजेब के समय गुरु गोबिंद सिंह जी मुगलों और पहाड़ी राजाओं के साथ संघर्ष कर रहे थे। आनंदपुर साहिब की घेराबंदी के बाद उनका परिवार अलग हो गया। तब बड़े साहिबजादे बाबा अजीत सिंह (18 वर्ष) और बाबा जुझार सिंह (14 वर्ष) चमकौर की लड़ाई में शहीद हुए। वीर बाल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने चारों साहिबजादों के साहस, त्याग और धर्मनिष्ठा के आदर्शों का स्मरण भी किया। वीर बाल दिवस पर आधारित विद्यार्थियो के मध्य रंगोली प्रतियोगिता,चित्रकला-विवाद

प्रतियोगिता, कुर्सी दौड का आयोजन कर विजेताओ को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया। साथ ही माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के लाईव प्रसारण दिखाया गया ।

इसी प्रकार शासकीय विशिष्ट बालक क्रीडा परिसर विचारपुर में गुरु गोविंद सिंह के वीर सपूतों जोरावार सिंह,फतेह सिंह,जुझार सिंह एवं अजीत सिंह के नाम पर टीम गठित कर बालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विजेता एवं उपविजेता टीम को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। जिले में महिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित बाल देखरेख संस्थाओं शासकीय बालिका सम्प्रेक्षण गृह एवं शिवालय शिशुगृह में भी वीर बाल दिवस मनाते हुये गतिविधिया आयोजित की गई। कार्यक्रम में सहायक संचालक श्री जयन्त प्रताप सिंह,स्कूल के प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

कलेक्टर द्वारा की गई राजस्व विभाग की समीक्षा

नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा तथा राजस्व वसूली में तेजी लाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल-कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में राजस्व सर्किल, तहसील तथा अनुभाग स्तर के अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि राजस्व न्यायालयों में चल रहे राजस्व प्रकरणों का निराकरण शासन द्वारा निर्धारित समय में किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि आरसीएमएस में दर्ज नामांतरण, सीमांकन तथा बंटवारा के प्रकरण समय-सीमा में करें। तीन महीने से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का अभियान चलाकर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, एसडीएम जयसिंहनगर सुश्री काजोल सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रगति वर्मा, एसडीएम सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, एसडीएम जैतपुर दीपक मंडावी,, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, डिप्टी कलेक्टर अर्चना मिश्रा, समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार, ई-गवर्नेन्स, के प्रबंधक श्री स्वप्निल जैन, लोक सेवा प्रबंधक श्री पंकज शिवहरे उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने तहसीलदारों को निर्देशित किया कि नक्शा विहीन ग्राम तथा ऐसे ग्राम जिनके नक्शे जीर्ण-शीर्ण हो गए हैं या त्रुटिपूर्ण हैं उनकी जानकारी भू-अभिलेख शाखा को उपलब्ध कराएं जिससे नए नक्शे तैयार कर उपलब्ध कराए जा सके। आपने कहा कि जिन शासकीय विभागों द्वारा विभिन्न कार्यों हेतु जमीन आवंटन के आवेदन किए गए हैं उनका परीक्षण कर जमीन आवंटन की कार्यवाही की जाए। अभियान चलाकर शासकीय परिसंपत्तियों को राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जाए। कलेक्टर ने राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली सुनिश्चित की जाए। पुरानी राजस्व वसूली प्राथमिकता के आधार पर की जाए। राजस्व विभाग से संबंधित लंबित कण्डिकाओं का निराकरण किया जाए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को 50 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता से करने, मुख्यमंत्री कार्यालय तथा अन्य वरिष्ठ कार्यालयों एवं जनप्रतिनिधियों से प्राप्त पत्रों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में जो तहसीलें पीछे हैं उन्हें शिविर लगाकर पूरा करने के निर्देश दिए।

प्राइवेट स्कूलों में छठे वेतन आयोग के नाम पर वसूली फीस होगी वापस

चालीस से लेकर चार सौ फीसदी तक बढ़ी फीस वसूली

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों में 15-20 साल पहले बढ़ी हुई फीस देकर पढ़ने वाले छात्रों को रुपये वापस मिलने की उम्मीद जगी है। इस संबंध में दिल्ली हाईकोर्ट ने शिक्षा निदेशालय को ऐसी व्यवस्था तैयार करने के निर्देश दिए हैं, जिसमें उस समय संबंधित स्कूलों में पढ़ रहे छात्रों की डिटेल निकाली जा सके।

प्राइवेट स्कूलों ने छठे वेतन आयोग के नाम पर अभिभावकों से बढ़ी हुई फीस ली थी। चीफ जस्टिस देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच के समक्ष यह मुद्दा तब उठा जब प्राइवेट स्कूलों की तरफ से कहा गया कि 15-20 साल पुराने छात्रों की डिटेल निकालनी मुश्किल होगी। उनके पास रिकॉर्ड नहीं हैं। इस पर बेंच ने दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय से कहा कि वह इस पर तथ्य एकत्रित करें। ऐसा तंत्र निकालें, जिससे हाईकोर्ट की रजिस्ट्री में जमा तकरीबन 500 करोड़ रुपये को उनके हकदार मालिकों को वापस लौटाया जा सके। हालांकि, कुल राशि 12 सौ करोड़ से ज्यादा है। इस पूरी राशि को वापस उन छात्रों के परिजनों को लौटाना है, जिनसे छठे वेतन आयोग के हिसाब से शिक्षकों का वेतन बढ़ाने के नाम पर अतिरिक्त फीस वसूली गई थी।

फीस रिफंड नाम से चलाया कैंपेन : हाईकोर्ट के इस निर्देश के बाद गैर सरकारी संगठन जस्टिस फॉर ऑल की तरफ से वकील खगेश बी झा और वकील शिखा शर्मा बग्गा ने वॉट्सऐप ग्रुप पर मैसेज कर

अभिभावकों से संपर्क किया।

वर्ष 2006 से वर्ष 2010 के बीच दिल्ली के स्कूलों ने छठे वेतन आयोग को लागू करने के नाम पर छात्रों के परिजनों से 40 से चार सौ फीसदी तक बढ़ी फीस वसूली थी। परिजनों ने इसका विरोध किया था। इसके बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने अनिल देव सिंह कमेटी का गठन किया। इस कमेटी ने 12 सौ से अधिक स्कूलों के खातों की जांच की। जांच में पाया गया कि 99 फीसदी स्कूलों के खातों में गड़बड़ी है। अनिल देव सिंह कमेटी ने स्कूलों को निर्देश दिया कि वह छात्रों के परिजनों को बढ़ी फीस लौटाएं। कमेटी के इस आदेश के खिलाफ 220 स्कूलों ने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। हाईकोर्ट ने स्कूलों से कहा कि वह बढ़ी फीस का 75 फीसदी कोर्ट रजिस्ट्री में जमा कराए। इसके बाद सुनवाई शुरू होगी। वर्ष 2014 में स्कूलों ने तकरीबन पांच सौ करोड़ रुपये जमा करा दिए। तब से यह रकम रजिस्ट्री में जमा है। ब्याज समेत यह रकम अब 12 सौ करोड़ से ज्यादा हो गई है।

राजस्थान का नहीं दिल्ली का भी सुपरहीरो है अरावली, राजधानी की ढाल बने खड़ा

अरावली पर्वतमाला, जो करीब 2 अरब साल पुरानी है

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश में इन दिनों अरावली पर्वत को लेकर विवाद चल रहा है। तमाम लोग अरावली बचाने की मुहिम चला रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अरावली सिर्फ राजस्थान या हरियाणा की सांसों को नहीं बचा रहा, बल्कि ये सदियों से राजधानी दिल्ली की भी रक्षा कर रहा है। दिल्ली शहर हर साल सर्दियों में धुंध की चादर ओढ़ लेता है और गर्मियों में तपती हवाओं से जूझता है। अरावली पर्वतमाला, जो करीब 2 अरब साल पुरानी है, दिल्ली को थार रेगिस्तान के हमलों से बचाने का काम करती है। अरावली एक सुपरहीरो की तरह ही दिल्ली की रक्षा कर रहा है।

अरावली पर्वतमाला दिल्ली को एक प्राकृतिक बैरियर की तरह ढाल देती है। यह राजस्थान के थार रेगिस्तान से आने वाली गर्म, धूल भरी हवाओं को रोकती है। अगर ये पर्वतमाला नहीं होती तो रेगिस्तान की आंधी दिल्ली को रेतीले तूफानों से भर देतीं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, अरावली के घने जंगल और ऊंची पहाड़ियां रेगिस्तान के फैलाव (डेजर्टिफिकेशन) को रोकती हैं, जिससे दिल्ली और आसपास के इलाके हरे-भरे बने रहते हैं। इसके अलावा, यह श्रृंखला भूजल रिचार्ज सिस्टम को सपोर्ट करती है। यानी बारिश का पानी पहाड़ियों में सोखकर पानी के स्तर को बनाए रखती है। नदियों जैसे चंबल और सबर्मती का स्रोत भी यही है, जो दिल्ली-एनसीआर के पानी की जरूरतों को पूरा करने

में मदद करता है।

दिल्ली के लिए अरावली सिर्फ एक पहाड़ी नहीं, बल्कि हरे फेफड़े (ग्रीन लंग्स) की तरह है। यह शहर को प्रदूषण से बचाती है, क्योंकि पहाड़ियां धूल कणों (पार्टिकुलेट मैटर) को फिल्टर करती हैं और हवा की गुणवत्ता को नियंत्रित रखती हैं। अगर अरावली न होती, तो दिल्ली में हीट वेव्स और धूल भरी आंधियां ज्यादा तीव्र होतीं, जो पहले से ही प्रदूषित हवा को और खराब कर देतीं। इसके अलावा, यह जैव विविधता का खजाना है। यहां भारतीय तेंदुआ, लाल सिर वाला गिद्ध और सैकड़ों पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं। जलवायु स्थिरता के लिए भी यह अहम है, क्योंकि यह इंडो-गंगा मैदान को रेगिस्तानी प्रभाव से बचाती है। बिना इसके, दिल्ली का मौसम और पानी संतुलन बिगड़ सकता है, जो करोड़ों लोगों की जिंदगी को प्रभावित करेगा। अगर अरावली की रक्षा नहीं हुई और यह क्षतिग्रस्त हो गई, तो थार रेगिस्तान तेजी से पूर्व की ओर बढ़ता। दिल्ली में धूल तूफान ज्यादा आते, वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच जाता और पीएम10 कणों की मात्रा बढ़ जाती। भूजल स्तर गिरता, पानी का संकट गहराता और हीट वेव्स तीव्र होतीं। एक्सपर्ट्स चेतावनी भी दे रहे हैं कि खनन से बने गैप्स पहले से ही रेगिस्तानी हवाओं को प्रवेश दे रहे हैं। इससे दिल्ली-ह्यष्टक्र रेतीला और प्रदूषित हो सकता है।

'खुद को खबरों में रखने के लिए...'; आप नेताओं पर एफआईआर पर बोले दिल्ली भाजपा वीरेंद्र सचदेवा

सचदेवा ने इस कृत्य पर 'आप' नेताओं पर तीखी प्रतिक्रिया दी है

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, विधायक संजीव झा और आदिल अहमद खान के खिलाफ कथित तौर पर ईसाइयों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। आपके इन नेताओं ने दिल्ली प्रदूषण पर व्यंग्य करते हुए सैंटा क्लॉज को बेहोश होते दिखाया था, जिसको लेकर दिल्ली पुलिस ने इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इस कृत्य पर 'आप' नेताओं पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 'आप' नेताओं से संवैधानिक संवेदनशीलता की उम्मीद बेमानी है। सचदेवा ने कहा कि दिल्लीवासियों द्वारा सत्ता से हटाने के बाद आप के नेता किस स्तर पर जाकर काम कर रहे हैं, वे खुद को खबरों में रखने के लिए किस तरह के हथकंडे को अपना रहे हैं, यह एफआईआर उसका प्रमाण है। उन्होंने कहा कि एक पार्टी (आप) के अध्यक्ष जो विधायक और मंत्री रहे

हैं और संजीव झा जो अभी भी विधायक हैं, एक जनप्रतिनिधि के रूप में काम करते हैं। उन्हें अपनी गंभीरता नहीं खोनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आप के जिन तीन नेताओं पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है, उन्होने धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ कर मसखरी करने का एक अशोभनीय काम किया है, जो किसी भी धर्म के लिए शोभनीय नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म का मजाक उड़ाना हर सूरत में गलत है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अगर कोई समाज में अल्पसंख्यक समाज है तो उसका मजाक उड़ाने का काम 'आप' के नेता करते हैं और वह भी ऐसे समय में जब समाज का त्योहार चल रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहते हुए आपके पास किसी भी मुद्दे पर सरकार के खिलाफ विरोध करने का अधिकार है और उसका एक संवैधानिक संवेदनशील तरीका होता है, लेकिन आम आदमी पार्टी के नेताओं से इसकी उम्मीद करना बेकार है। शिकायत के अनुसार, आप के इन नेताओं ने 17-18 दिसंबर को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया था। इस क्लिप में कनॉट प्लेस में किया गया एक राजनीतिक प्रदर्शन दिखाया गया। इसमें ईसाई समुदाय के धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक सैंटा क्लॉज को हास्यप्रद और कथित तौर पर अपमानजनक तरीके से दिखाया गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि सैंटा क्लॉज मास्क पहनकर वायु प्रदूषण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए हैं। इस दौरान वह बेहोश होकर गिर जाते हैं और आप नेता उन्हें उठाने की कोशिश करते हैं।

दिल्ली में इस साल 23 हजार से ज्यादा लोग लापता, 60% से ज्यादा महिलाएं और किशोरियां शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में 2025 में साल भर में 23,000 से ज्यादा लोग लापता दर्ज किए गए। इनमें महिलाओं व लड़कियों की हिस्सेदारी 60 फीसदी से भी अधिक है। बच्चों की श्रेणी में भी नाबालिग लड़कियां ही सबसे ज्यादा शामिल हैं, जबकि पिछले एक दशक 2015 से 2025 के बीच में लापता लोगों का आंकड़ा ढाई लाख के पार पहुंच चुका है। दिल्ली पुलिस के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, एक जनवरी से 15 दिसंबर के बीच राजधानी से कुल 23,340 लोगों के लापता होने की शिकायत दर्ज हुई। इनमें 14,166 महिलाएं रहीं जो कुल आंकड़े का करीब 61 प्रतिशत हैं, जबकि पुरुषों की संख्या 9,174 (करीब 39 प्रतिशत) रही। इस अवधि में 14,385 लापता व्यक्ति ट्रेस किए जा चुके हैं, जिनमें 8,672 महिलाएं और 5,713 पुरुष शामिल हैं। साल 2025 में 18 वर्ष से अधिक आयु के कुल 17,623 वयस्क लापता दर्ज हुए, जिनमें 10,020 महिलाएं और 7,603 पुरुष हैं। इनमें से 10,173 वयस्कों को पुलिस ने तलाश लिया, लेकिन 7,450 वयस्क अब भी लापता हैं, जिनमें 4,367 महिलाएं शामिल हैं। बच्चों के स्तर पर तस्वीर और चिंता बढ़ाने वाली है, क्योंकि कुल 5,717 नाबालिगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज हुई। इनमें 4,146 लड़कियां (करीब 73 प्रतिशत) और 1,571 लड़के (करीब 27 प्रतिशत) हैं। इन बच्चों में से 4,212 को पुलिस ने ढूंढ निकाला।

टॉयलेट में स्मोकिंग की तो वायरल हो जाएंगे आप! चीन के मॉल और दुकानों में लगा ऐसा सिस्टम

शेनझेन , एजेंसी। दक्षिण चीन के शेनझेन शहर में एक शॉपिंग मॉल ने टॉयलेट में ट्रांसपैरेंट ग्लास का प्रयोग किया है। इसका मुख्य उद्देश्य धूम्रपान करने वालों को पकड़ना है। लोगों को इस प्रणाली के बारे में आगाह करने के लिए, शॉपिंग सेंटर ने दरवाजों पर एक नोटिस भी लगाया है।

दरअसल, दक्षिण चीन के एक शॉपिंग सेंटर ने पुरुषों के शौचालय के दरवाजों पर एक स्मार्ट तरीके का ट्रांसपैरेंट ग्लास लगाया है। जिसके अंदर अगर कोई धूम्रपान करता है, तो वह अपने आप ट्रांसपैरेंट हो जाएगा। धूम्रपान को रोकने के लिए शॉपिंग सेंटर द्वारा उठाए गए इस कदम की सोशल मीडिया पर खूब सराहना मिल रही है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह नई पहल शेन्जेन के शुइबेई इंटरनेशनल सेंटर और शुइबेई

जिन्जुओ बिल्डिंग, ग्वांगडोंग प्रांत के दो आभूषण शॉपिंग मॉल में पुरुषों के शौचालयों में लागू किया गया है। यह बीते 16 दिसंबर को सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा और यूजर्स की प्रतिक्रियाएं आने लगीं। एक यूजर ने कहा आखिरकार, धूम्रपान करने वालों से निपटने का एक प्रभावी उपाय मिल गया है। शॉपिंग सेंटर ने लोगों को इसके बारे में जानकारी देने के लिए बाथरूम के बाहर नोटिस भी लगाया है, जिस पर साफ-साफ लिखा है, धूम्रपान करने पर शीशा पारदर्शी हो जाएगा। अगर आप ऑनलाइन मशहूर नहीं होना चाहते तो धूम्रपान करने की इच्छा को रोकें। बता दें कि शौचालय के दरवाजों में एक विशेष प्रकार का शीशा लगाया जाता है, जो वैसे तो धुंधला रहता है, लेकिन जैसी ही उसके अंदर कोई स्मोकिंग करता है।

श्तो धुआं फैलते ही , कुछ ही सेकंड में बिजली बंद हो जाती है। इसके बाद शीशा फिर से साफ हो जाता है और शौचालय के अंदर धूम्रपान कर रहे व्यक्ति को देख सकता है।

तारिक रहमान की कभी आईएसआई से थी सांठगांठ

अगर सत्ता में आए तो भारत को लेकर क्या होगी डिप्लोमेसी?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजनीति में एक बार फिर बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के हजारों कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और अपने नेता तारिक रहमान का जोरदार स्वागत किया। तारिक रहमान करीब 17 साल बाद लंदन से वापस बांग्लादेश लौटे हैं। वे लंबे समय से देश से बाहर रह रहे थे और बांग्लादेश में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

तारिक रहमान गुरुवार को ढाका पहुंचे और वहां अपने समर्थकों को संबोधित भी किया। उनके भाषण और इशारों से यह साफ हो गया है कि वे अब सक्रिय राजनीति में पूरी ताकत के साथ उतरने वाले हैं। इसी के साथ सवाल उठने लगा है कि क्या तारिक रहमान बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं? भारत को हालांकि, रहमान को लेकर

भी फूंक-फूंक कर कदम रखने हैं क्योंकि उनके पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से पुराने संबंध रहे हैं और भारत-विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता पाई गई है। पिछले साल बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट में खालिदा जिया और तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) की बड़ी भूमिका थी। उस दौरान, भारत की खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों ने बांग्लादेश में तख्तापलट के पीछे सोशल मीडिया के जरिए आग भड़काने पर एक खास रिपोर्ट तैयार की थी. रिपोर्ट में पाया गया था कि बांग्लादेश के अराजक-प्रदर्शन के दौरान सोशल मीडिया पर पाकिस्तान से ही सामाजिक अस्थिरता फैलाने की साजिश रची गई थी। तारिक रहमान बांग्लादेश के सबसे ताकतवर राजनीतिक परिवारों में से एक से आते हैं। वे पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं और उनके पिता जियाउर रहमान बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति और सेना प्रमुख रह चुके हैं। जियाउर रहमान ने ही बांग्लादेश में पहला सैन्य तख्तापलट किया था। तारिक रहमान बांग्लादेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। राजनीतिक विरासत के कारण वे लंबे समय से बांग्लादेश की राजनीति में एक प्रभावशाली चेहरा रहे हैं।